लिंग-निर्णय

-दिव्या
अतिथि शिक्षक, हिन्दी विभाग
वैशाली महिला कालेज, हाजीपुर

→ शेषांश :

2) तद्भव शब्दों का लिंग-निर्णय —

तद्भव पुलिंग शब्द

- हिन्दी के आकारान्त देशज शब्द प्रायः पुलिंग होते हैं। जैसे - आटा, कपड़ा, खीरा, जूता, पैसा, घाता, झुमका, हीरा आदि।

- जो क्रिया-पद क्रियार्थक संज्ञा के रूप में प्रयुक्त होते हैं, वे पुलिंग होते हैं। जैसे- गाना, पढ़ना, बोलना, सोना, लिखना आदि।

- 'पन', 'पा' से समाप्त होनेवाली भाववाचक संज्ञाएँ पुलिंग होती हैं। जैसे- छुटपन, बचपन, बुढ़ापा, मोटापा आदि।

- 'आन' से अंत होनेवाली कृदंत संज्ञाएँ पुलिंग होती हैं। जैसे - खान, दौरान, नहान, पान, मिलान आदि।
  ⇒ अपवाद - खान (खनिज संबंधी, स्त्रीलिंग)
- अक्कड़, आकू, आप, आपा, आव, आवा, इयल, इया, ऊ, ऐरा, ऐया, ऐत, ओड़, औता, औना, औवल, वैया, वाहा आदि कृदंत प्रत्ययों से बने शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे - घुमक्कड़, लड़ाकू, मिलाप, घुमाव, चढ़ावा, बहाव, लड़ैत, समझौता, खिलौना, गवैया, चरवाहा आदि।

- आऊ, आका, आया, आना, आर, आड़ी, आरा, आलू, ओट, ओटा, औड़ा, औला, ईला, उआ, एरा, एड़ी, एला, ऐला, ता, ला, पना, वान, वाला, वाँ, वा, सरा, हर, हरा आदि तद्धित प्रत्ययों के योग से बने शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे - सन्नाटा, झगड़ालू, दखौरा, जहरीला, सँपेरा, बचपना, गाड़ीवान, टोपीवाला, सातवाँ, तीसरा, खंडहर, चूड़ीहारा आदि।

तद्भव स्त्रीलिंग शब्द

- मनुष्य और बड़े पशुओं में नारियाँ स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे - युवती, लड़की, गाय आदि।
- अप्राणिवाचक ईकारांत संज्ञाएँ प्रायः स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे - कटोरी, घड़ी, चटनी, चौकी, चिट्ठी, टोपी, थाली, धोती आदि।
- भाषाओं के नाम स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे - हिन्दी, अंग्रेजी, बँगला, फारसी आदि।
- अनवाचक (न्यूनता बोधक) याकारान्त शब्द स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे - कुटिया, खटिया, चुहिया, डिबिया आदि।
- कृदंत प्रत्यय से बनी नकारांत तथा अकारांत संज्ञाएँ प्रायः स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे - उड़ान, उलझन, चमक, जलन, जीत, चढ़क आदि।

— क्रमशः